# हिन्दी विभाग
# सरकारी महिला महाविद्यालय, बलांगिर

## PROGRAMME OUTCOMES (PO)

PO1. हिंदी साहित्य का सम्पूर्ण अवलोकन करने में सक्षम।

PO2. हिंदी साहित्य में दक्षता बढ़ाना और साहित्यिक कौशल विकसित करना।

PO3. व्यावसायिक पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण जैसे बी.एड. अनुवाद पाठ्यक्रम आदि के लिए पात्र बनें।

PO4. विभिन्न काव्य रूपों और अन्य साहित्यिक रूपों के बारे में सीख सकते हैं।

PO5. गद्य और पद्य में विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित करें। विश्लेषणात्मक और तर्क कौशल भी विकसित करें।

PO6. हिंदी भाषा के भाषाई और विभिन्न रूपों जैसे राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्कभाषा के बारे में जानें।

PO7. प्राचीन काल से आधुनिक काल तक हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान प्राप्त करें।

PO8. प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक परीक्षा उत्तीर्ण करने हेतु दक्षता।

PO9. नारीवाद और दलित साहित्य, आदिवासी विमर्श, पर्यावरण और आपदा प्रबंधन में ज्ञान का विकास करें

PO10.कम्प्यूटर अनुप्रयोग एवं राजभाषा हिन्दी का ज्ञान प्राप्त करें।

PO11. अनुसंधान पद्धति के माध्यम से अनुसंधान कैसे किया जाए, इसके बारे में ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम।

## PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSO)

PSO-1: हिन्दी साहित्य के इतिहास, काल-विभाजन और प्रमुख काव्यधाराओं का ज्ञान

PSO-2: हिंदी साहित्य के काव्य, कथा, आलोचना और भाषा-विज्ञान का गहन ज्ञान।

PSO-3: मध्यकाल, आधुनिकता, भक्ति, रीतिकाल और लोकसंस्कृति की समझ।

PSO-4: साहित्यिक ग्रंथों का तुलनात्मक व विश्लेषणात्मक अध्ययन।

PSO-5: अनुवाद सिद्धांत/प्रयोग, संपादन और प्रूफ-रीडिंग में दक्षता।

PSO-6: शोध, परियोजना-कार्य और साहित्यिक प्रस्तुति हेतु कौशल।

PSO-7: कार्यालयी हिंदी, हिंदी कंप्यूटिंग और व्यवहारिक भाषा-कौशल।

PSO-8: कविता, कहानी, उपन्यास आदि विधाओं की संरचना-प्रक्रिया की समझ।

PSO-9: भाषा विज्ञान, ध्वनिविज्ञान, व्याकरण एवं रूप-विन्यास की विशेषज्ञता

PSO-10: साहित्यिक आलोचना , भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र का व्यावहारिक ज्ञान

PSO-11: साहित्यिक शोध, प्रोजेक्ट एवं अकादमिक अध्ययन के लिए आवश्यक कौशल

## COURSE OUTCOMES (CO)

### SEMESTER -1

#### Core I – हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग 1)

CO1. हिन्दी साहित्य की उत्पत्ति और विकास को समझना
CO2. आदिकाल के प्रमुख काव्य और कवियों का अध्ययन
CO4. सांस्कृतिक-सामाजिक परिस्थितियों का विश्लेषण
CO5. भाषा-रूप, शैली और साहित्यिक प्रवृत्तियों की समझ
CO6. परंपरा और आधुनिक दृष्टि के अन्तर को जानना

#### Core II – मध्यकालीन हिन्दी कविता (निर्गुण एवं रामभक्ति काव्यधारा)

CO1. निर्गुण काव्यधारा की विशेषताओं को समझना
CO2. कबीर, रैदास आदि संत कवियों का अध्ययन
CO3. रामभक्ति काव्यधारा और उसकी प्रवृत्तियों का ज्ञान
CO4. तुलसीकृत काव्य की काव्यात्मक विशेषताएँ
CO5. भक्तिकालीन काव्य की भाषा और शैली को जानना

CO6. भक्तिकाल की सामाजिक, धार्मिक पृष्ठभूमि को समझना

## SEMESTER -2

### Core III – कृष्णभक्ति एवं रीतिकालीन हिंदी कविता

CO1. सगुण-भक्ति में कृष्णकाव्य की भूमिका समझना।
CO2.सूरदास के पदों की संरचना और रस निष्पादन का अध्ययन।
CO3. रीतिकाल की काव्यशैली व रीति-ग्रंथों की पहचान।
CO4. रीतिकालीन कवियों की भाषा, अलंकार और श्रृंगार-परंपरा।
CO5. कृष्णकाव्य व रीतिकाव्य का तुलनात्मक विश्लेषण।

### Core IV – हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग–2)

CO1. भक्तिकाल से आधुनिक काल तक की साहित्यिक प्रवृत्तियों की पहचान।
CO2. भारतीय पुनर्जागरण व आधुनिकता का प्रभाव समझना।
CO3. भारतेंदु, द्विवेदी, छायावाद व प्रगतिवाद का अध्ययन।
CO4. आधुनिक काव्यधाराओं की विशिष्टताएँ।
CO5. कहानी/उपन्यास/नाटक जैसी विधाओं का उद्भव।

## SEMESTER -3

### Core V – अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग

CO1: अनुवाद की मूल अवधारणाओं को समझ सकेंगे।
CO2: भाषा-स्तरीय समस्याओं की पहचान कर समाधान कर सकेंगे।

CO3: साहित्यिक एवं गैर-साहित्यिक अनुवाद की तकनीकों का प्रयोग कर सकेंगे।
CO4: व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास के माध्यम से कौशल विकसित कर सकेंगे।

## Core VI – कार्यालयी हिन्दी

CO1: राजभाषा नीति और सरकारी कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग को समझ सकेंगे।
CO2: नोटिंग-ड्राफ्टिंग, पत्राचार आदि का सही प्रारूप सीख सकेंगे।
CO3: प्रशासनिक शब्दावली का सही उपयोग कर सकेंगे।
CO4: सरकारी रिपोर्ट, विज्ञप्ति, प्रस्ताव आदि का लेखन कर सकेंगे।

## Core VII – हिन्दी कथा साहित्य (कहानी)

CO 1: हिन्दी कहानी के विकास-क्रम को समझ सकेंगे।
CO 2: प्रमुख कथाकारों की कथाभूमि एवं शैली का आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
CO 3: यथार्थवादी, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक कथाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
CO 4: कहानी के कथानक, चरित्र और कथावस्तु को मूल्यांकन कर सकेंगे।

# SEMESTER -4

## Core VIII – साहित्य और संदर्भ: विविधतावाद

CO1: साहित्य में विविधता और बहुलता की अवधारणा समझ सकेंगे।

CO2: स्त्रीवाद, दलित साहित्य, आदिवासी साहित्य की मुख्य विशेषताएँ समझ सकेंगे।
CO3: बहुसांस्कृतिक दृष्टि से साहित्य का मूल्यांकन कर सकेंगे।
CO4: सामाजिक न्याय और साहित्यिक विमर्श के संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।

## Core IX – हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास)

CO1: हिन्दी उपन्यास के विकास और प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
CO2: प्रमुख उपन्यासकारों की रचनाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
CO3: सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन और उपन्यासों के संबंध को समझ सकेंगे।
CO4: उपन्यास की कथावस्तु, चरित्र और भाषा-शैली का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

## Core X – आधुनिक हिन्दी कविता (1)

CO1: छायावाद से पहले की आधुनिक कविता को समझ सकेंगे।
CO2: छायावादी काव्य की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कर सकेंगे।
CO3: प्रमुख कवियों की काव्य-दृष्टि और सौंदर्यशास्त्र पहचान सकेंगे।
CO4: सामाजिक-राजनीतिक चेतना से संबंधित कविताओं का मूल्यांकन कर सकेंगे

# SEMESTER -5

## Core XI – हिन्दी भाषा और भाषा विज्ञान

CO1: भाषा, भाषाविज्ञान और संप्रेषण की मूल अवधारणाएँ समझ सकेंगे।
CO2: ध्वनि-तंत्र, रूप-तंत्र और वाक्य-रचना का अध्ययन कर सकेंगे।

CO3: अर्थ, प्रयोग और भाषिक विविधता को समझ सकेंगे।
CO4: भाषा परिवर्तन और भाषा-समाज के संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।

### Core XII – भारतीय काव्य शास्त्र

CO1: भारतीय काव्यशास्त्र के मूल सिद्धांतों को समझ सकेंगे।
CO2: रस, ध्वनि, अलंकार आदि की अवधारणाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
CO3: आचार्यों के काव्यशास्त्रीय विचारों को पहचान सकेंगे।
CO4: कविता के मूल्यांकन में काव्यशास्त्र का प्रयोग कर सकेंगे।

### Core XIII – आधुनिक हिन्दी कविता (2)

CO1: प्रगतिवादी कविता की पृष्ठभूमि को समझ सकेंगे।
CO2: प्रयोगवादी और नई कविता की विशेषताओं को समझ सकेंगे।
CO3: आधुनिक कवियों के सामाजिक-राजनीतिक विचारों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
CO4: आधुनिक कविता की भाषा, संवेदना और शैली की पहचान कर सकेंगे।

## SEMESTER -6

### Core XIV – पाठ्यात्मक काव्य शास्त्र

CO1: प्रमुख काव्य सिद्धांतों का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
CO2: काव्य के विभिन्न रूपों का विश्लेषण कर सकेंगे।
CO3: पाठों के माध्यम से काव्यशास्त्र का व्यावहारिक उपयोग सीख सकेंगे।
CO4: काव्य की व्याख्या और आलोचना की क्षमता विकसित कर सकेंगे।

### Core XV – तुलसीदास: साहित्य और दर्शन

**CO1: तुलसीदास के साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि समझ सकेंगे।**

**CO2: रामचरितमानस के विभिन्न प्रसंगों का विश्लेषण कर सकेंगे।**

**CO3: तुलसीदास के दर्शन, नीति और आस्था के विचारों को समझ सकेंगे।**

**CO4: तुलसी साहित्य की भाषा, शैली और सांस्कृतिक प्रभाव का मूल्यांकन कर सकेंगे।**